reguest is that I have produced such a documentary evidence that straightway, under your power, you can refer it to the Privileges Committee.

अध्यक्ष महोदय : मैं तसल्ली से करूंगा और आप की भी तसल्ली करवा दूंगा ।

PROF. MADHU DANDAVATE : So you will get more explanation from the Minister.

अध्यक्ष महोदय : आप के सेटिस्फैक्शन के अनुसार होगा ।

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY (Calcutta South) : This issue which yet to be referred to the Committee, has appeared in the "*Telegraph*" and the paper has also given all the explanation. This is a serious issue.

MR. SPEAKER: This is the same thing. I will look into it. There is no bar. If you are not satisfied, it is always the freedom of the House to have it discussed under the rules. वह मैं देख लूंगा ।

RE REPORTED STATEMENT OF SHRI JARNAIL SINGH BHINDRANWALE

श्री सतीश अग्रवाल (जयपुर) : आप ने **हिन्दुस्तान टाइम्स** में पढ़ा होगा जरनैल सिंह भिण्डरावाले का स्टेटमेंट है, मुझे वह पढ़ कर अफसोस भी हुआ, दुख भी हुआ और ताज्जुब भी हुआ । शुरू में एक जरा सी घटना के बारे में अखबार में खबर आ गई जो गलत थी कि वहां किसी गुरुद्वारे को जला दिया । मैंने दौलत राम सारण, जो वहां चुरू से एम. पी. हैं उन से पूछा, उन्होंने बताया कि वहां कोई गुरुद्वारा नहीं है, फिर भी मैंने इम्मीडिएटली उसी दिन चीफ मिनिस्टर को तार दिया कि मिसक्रीएन्ट्स के खिलाफ कार्यवाही की जाय इतने कांशस हम सब हैं । फिर भी आज इस प्रकार का स्टेटमेंट जो भिण्डरावाले ने दिया राजस्थान की किसी संस्था का नाम लेकर वह अफसोस की बात है । अगर कहीं पर भी किसी प्रकार की कोई बात किसी सिख भाई को होगी तो हम लोग जो प्रदेशों में रहते हैं उन के ऊपर उस की जिम्मेदारी है ताकि कौमी एकता और आपस का सद्भाव बना रह । परन्तु इस प्रकार से थ्रट देना और पैनिक क्रिएट करना...

...(व्यवधान)...

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY (Calcutta South) : Sir, Bhindranwale should be arrested immediately. The Government must have guts. Don't be afraid of Bhindranwale or his musclemen. He is threatening. (*Interruptions*)

श्री राम प्यारे पनिका (राबर्ट्सगंज) : देश की एकता और सद्भावना को बनाए रखना चाहिए । आखिरकार पंजाब सिर्फ सिक्खों का नहीं है, सारे हिन्दुस्तान के लोगों का है । जब ऐसा कोई स्टेटमेंट आ जाता है तो उसमें बड़ी गड़बड़ी पैदा होने की आशंका पैदा हो जाती है । हम चाहते हैं कि राष्ट्रीयता का ध्यान रखते हुए, कॉमी एकता का ख्याल रखते हुए, सतीश बाबू मैं आप का समर्थन कर रहा हूं, इस तरह का स्टेटमेंट नहीं आना चाहिए । मैं सिक्खों की बात नहीं कर रहा हूं । प्रश्न यह है कि भिण्डरावाले द्वारा ऐसा स्टेटमेंट देने से ऐक विचित्र स्थिति उत्पन्न हो गई है । इसलिए निवेदन है कि आप सरकार को कहें या जैसे भी हो, भिण्डरावाले के स्टेटमेंट का कन्ट्राडिक्शन आ जाए ।

...(व्यवधान)...

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY : The whole House should condemn it . (*Interruptions*).

SHRI RATANSINH RAJDA (Bombay South) : Mr. Speaker, Sir, any person, whatever may be his position, trying to disrupt the unity of the nation, trying to create disucssion between communities, is the enemy of the nation. We want to remain united All communities, all languages, all religions, they are Indians, they have a right to live anywhere in India. Anyone holding a threat is an enemy of the nation and the Government should take stern action against that man . (*Interruptions*).

SHRI SANTOSH MOHAN DEV (Silchar) : Sir, the whole House should pass a

Resolution. That is necessary. I will urge upon you to accept it. All are unanimous on this issue. He should be condemned and the whole House should pass a Resolution, condemning him. He should not be allowed to go on saying like that.

SHRI RATANSINH RAJDA: Before this Bhindranwale was a Congress (I) supporter. That is why Government is fighting shy to take action against him. I would like to ask the hon. Home Minister whether it is a fact, why they are fighting shy to take action against him ? Government has proved its impotency against Mr. Bhindranwale.

Dr. SUBRAMANIAM SWAMY (Bombay North East) : Sir, on this issue. I would like to say that Mr. Bhindranwale... (*Interruptions*)

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS, SPORTS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BUTA SINGH) : Sir, let the hon. Members not bring in party politics that he was a supporter of Congress (I) or he was a supporter of a particular party...(*Interruptions*)

It is absurd and baseless.

MR. SPEAKER : Let us talk about what he is now, not once upon a time... (*Interruptions*).

SHRI RATANSINH RAJDA : Take action now...(*Interruptions*).

SHRI SANTOSH MOHAN DEV : You have created a Frankenstein. Take action now. All of you should condemn it. Don't try to politicalise it...(*Interruptions*)

SHRI RATANSINH RAJDA : Government must take action against him.

...(*Interruptions*)

श्री जगपाल सिंह (हरिद्वार) : सरकार भिंडरांवाले को अरैस्ट नहीं कर सकती है। मजदूरों और किसानों को कर सकती है (व्यवधान)...

Dr. SUBRAMANIAM SWAMY : There is no doubt that the statement is highly objectionable, is provocative and no Government can ignore it. But I would also say that chaotic situations always give elements like Bhindranwale an opportunity. Not only we must condemn him and take action but we must also re-double our efforts to find a solution to the Punjab problem.

SHRI RAJESH PILOT (Bharatpur) : For your information, Sir, I was in Jaipur yesterday. I also enquired from the Government about this incident in Churu. There are only six Sikh families, total six, and this building which is under fire, as they have mentioned, is a small house under construction which, I think, is a six inches boundary filled with water. There is no Gurudwara, there is nobody inovlved in it. It is some antisocial elements who are creating this problem. Not only that, some of the political parties in Rajasthan, which I myself saw yesterday, they are selling *Ganga Jal* with a bottle filled for Rs. 11, Rs. 21 and Rs. 51. They are creating problems for us and they are openly criticising one prominent citizen of this country and selling this *Ganga Jal* openly. चर्बी से जो जो बर्बाद हो गये हैं, 11 रु० की बोतल लो और स्वच्छ हो जाओ।

There is also a story about it. Normal water in bottles they are selling for money and thus they are making money We must take care of it. The Home Minister must assure the House that he will take action against them.

SHRI HARIKESH BAHADUR (Gorakhpur) : He has been issuing all kinds of statements. Therefore, I would urge upon the Home Minister to take stern action against such persons who are giving this kind of provocative statements, because it will ultimately result in disastrous consequences. The entire nation is concerned on this issue. So, the demand is that the Home Minister must take action.

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : अध्यक्ष जी, पंजाब में राष्ट्रपति शासन लागू है, इस लिये केन्द्र सरकार की सीधी जिम्मेदारी है। अब आप इस मामले को राज्य सरकार की जिम्मेदारी कह कर टाल नहीं सकते हैं। इस समय गृह मंत्री श्री सेठी जी यहां बैठे हुए हैं, वे जरा हम लोगों को बतलायें कि पंजाब के सम्बन्ध में क्या कार्यवाही हो रही है ?

श्री आर० एन० राकेश (चैल) : अध्यक्ष जी, भिंडरांवाले का जो बयान अखबारों में

निकला है, इस से सारे देश की धार्मिक भावनाओं को चोट पहुंची है। मैं चाहता हूं कि होम मिनिस्टर खुद इस मामले को सीरियसली लें। वह बार-बार यह कहते रहे हैं कि पंजाब में हालत सुधर रही है, लेकिन वास्तव में हालात बदतर होते जा रहे हैं। इस का मतलब है कि प्रेजिडेन्ट रूल में भी हालत नहीं सुधरी है। जब 6 आदमी मारे गये थे तो वहां दरबारा सिंह की सरकार खत्म कर दी गई थी, आज जब ऐसी भावना पैदा होती है और ये घटनायें बढ़ती जाती हैं तो केन्द्रीय सरकार को खत्म होना चाहिये।

श्री रामलाल राही (मिसरिख) : अध्यक्ष महोदय, मैं दो मुद्दे उठाना चाहता हूं—पहली बात तो यह है कि देश में साम्प्रदायिकता का तनाव निरन्तर बढ़ता जा रहा है। भिण्डरांवाले का जो स्टेटमेन्ट छपा है उस को देख कर हिन्दू समाज में व्यापक रोष है। इस समय गृह मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं, मैं कहना चाहता हूं कि हिन्दू समाज का कोई भी संगठन इस तरह की स्थिति क्यों पैदा करता है जिससे अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों पर प्रहार हो और वे उद्वेलित हों—इस तरह की कार्यवाही करने के लिये, इस तरह के स्टेटमेन्ट देने वाले के लिए सरकार द्वारा तुरन्त कार्यवाही करनी चाहिए। अभी हाल में आप ने देखा होगा कि सूअर और गाय की चर्बी के नाम पर हिन्दू धर्म के पाखिण्डयों ने गंगाजल बता कर, पता नहीं किस कुंए-तालाब से पानी भर कर, देश में घूम-घूम कर बांटा, पैसा बटोरा और साम्प्रदायिकता को बढ़ावा दिया। ऐसी गतिविधियों को रोकने के लिए गृह मंत्री जी को कार्यवाही करनी चाहिए तथा वक्तव्य देना चाहिए। साम्प्रदायिक शान्ति बनाये रखना देश में अत्यन्त आवश्यक है।

दूसरी बात—केन्द्रीय सरकार ने हमारे जिले सीतापुर में खाद्यान्न योजना में काम करने वालों की बकाया का 20 लाख रुपया खाद्यान्न योजना के नाम पर भेजा। वह पैसा मजदूरों को, जिन का कि बकाया था, उन को न देकर वहां के अधिकारी कर्मचारी और कुछ नेताओं ने आपस में बांट लिया। हम चाहते हैं कि इस की विजिलेंस जांच होनी चाहिये तथा गृह मंत्री जी इस बारे में वक्तव्य दें।

Dr. SUBRAMANIAM SWAMY : Through you I would request the Press that this type of statements, which creates communal tension amongst the people, should not be published. So, I would request you to look into this. Secondly, this has already been discussed...

अध्यक्ष महोदय : ऐसा क्यों दे ? क्या अधिकार है ?

डा० कृपासिन्धु भोई (सम्बलपुर) : अधिकार नहीं है।

It is only a request. I would request the Press.

I would request the hon. Home Minister to take necessary action.

अध्यक्ष महोदय : अखबार ऐसा कर सकता है ?

SHRI K. RAMAMURTHY (Krishnagiri) : The statement of Shri Bhindranwale is a matter of concern for the entire country; it dose not pertain only to the Sikh community or any other community in this country, which is taking exception to it. So, I would request the. hon. Minister to come out with a statement. He should assure the House that this sort of blackmailing the country would not take place in this country more.

श्री मनीराम बागड़ी (हिसार) : अध्यक्ष जी, यह बहुत नाजुक मसला है और आप आधा मिनट में खत्म कराना चाहते हैं तो खत्म नहीं होगा। मैं यह फैसला करके खड़ा हुआ हूं कि पूरी बात कहूंगा, अगर आधी बात कहूंगा तो उस का इस देश में उल्टा असर पड़ेगा। एक तबका है जो इस देश में आग लगाना चाहता है और ये भिण्डरांवाले जैसे लोग, इस में अकेला भिण्डरांवाला नहीं है, इन के पीछे कोई न कोई ताकत है और उस ताकत को लोक सभा, जो देश का सब से ऊंचा मन्दिर है, नहीं रोक सकती है तो फिर उस को रोकने वाली कोई दूसरी ताकत नहीं है। अगर कोई हिन्दू यह कहे कि सिखों को मार दो, मुसलमानों को

मार दो या ईसाइयों को मार दो या कोई ईसाई यह कहे कि हिन्दू, सिख और मुसलमानों को मार दो, तो वह कोई धार्मिक आदमी नहीं है और शब्द धर्म का उस को समर्थन नहीं है लेकिन इतना कहने से काम नहीं चलेगा। जो आरोप लगा रहे हैं राजस्थान के, मैं बताना चाहता हूं कि नवभारत के अन्दर चौधरी चरण सिंह का बयान निकला है और उन्होंने कन्डेम किया है और कहा है कि एक चोरी को मिटाने का तरीका दूसरी चोरी नहीं होता है। अगर हिन्दू को मारा जाएगा, तो उस का बदला सिख को मारना नहीं होता है। ऐसा पागल और पाजी बयान एक पवित्र जगह में बैठ कर दिया जाए, तो मैं खुल्लम-खुल्ला कहता हूं कि लोक सभा के लोग अगर डर जायें या वोट के लिए स्वार्थ कर जाएं तो यह राष्ट्र आज नहीं तो कल और कल नहीं तो परसों टूट ही जाएगा। मैंने खालिस्तान का सवाल यहां पर उठाया था और जब उस के लिए धरना दिया, तो बड़े-बड़े जिम्मेवार लोगों ने मुझे कहा कि यह एक मजाक है और खालिस्तान हवा में है। मैं कहना चाहता हूं कि खालिस्तान हवा में नहीं है। शायद यह अच्छा हो कि हम में से 5-10 एम० पीज को अगर मार दें, तो शायद देश की किस्मत खुल जाये मगर वहां पर इस तरीके से लोगों को मारा जाता है। वहां पर अगर मुसाफिरों को मारा जाता है, तो जमुना नगर में एक गरीब भैंस चराने वाले को मारा जाता है सरदार के नाम पर, तो इन का इलाज क्या है। मैंने इसीलिये एक काम-रोको प्रस्ताव दिया है और आप क्यों नहीं इसे मंजूर करते। इसके लिये कौन जिम्मेवार है? सरकार इसके लिये जिम्मेवार है। अगर वह ऐसे लोगों को नहीं पकड़ सकती, तो वह इस्तीफा दे दे। अगर इस तरह से ऐसे आदमी छूट जाते हैं, तो यह जो 70 करोड़ का देश है, इसमें कोई न कोई आदमी ऐसा पागलपन कर जाता है और उस का री-एक्शन दूसरे लोगों पर भी होता है और सारे हिन्दुस्तान का दिमाग बदल सकता है। इस तरह से यह लोक सभा नहीं चलने वाली है। अध्यक्ष जी, आप चाहे मुझे जो सजा दें और चाहे यह सारी पार्लियामेंट मुझे हमेशा के लिए निकाल दें, जब तक इसके बारे में कोई फैसला नहीं हो जाता, मैं इस पार्लियमेंट को चलने देने के लिये तैयार नहीं हूं। इसका हल कौन निकालेगा। आप की पार्लियामेंट इसको करेगी। यह पार्लियामेंट राजनीति का सबसे ऊंचा मन्दिर है, अगर वह इस फैसला को नहीं करेगी, तो क्या पाडे करेगा, जो गुरचरण सिंह टोहरा को मुबारकबाद का तार देता है। एक तरफ आग लगाते हैं और दूसरी तरफ पानी छिड़कते हैं। यह बात चलने वाली नहीं है, यह काम चलने वाला नहीं है। मैं तब तक नहीं बैठूंगा, जब तक कि इस का फैसला नहीं हो जाता। मैं सभी साथियों से कहता हूं। यह पक्ष और विपक्ष की बात नहीं है। अगर विपक्ष के लोग खराब काम करते हैं, तो उनको गिरफ्तार करो और अगर पक्ष के लोग रियायत करते हैं, तो मैं उनसे कहता हूं कि वे सरकार को मत चलने दें। जब ऐसी बात है, तब इस पार्लियामेंट को चला कर आप क्या करेंगे। जब लोग कत्ल कर दिये जाएं, लोग मार दिए जाएं और एक पैसे का बदमाश खड़ा होकर सिखों को थ्रेटनिंग दे और हिन्दुओं को थ्रेटनिंग दे, तो सब लोग दबी बिल्ली की तरह रह जाएं, यह कहां तक उचित है। यह गांधी का देश है। यह नानक का देश है और यह गौतम का देश है। सब लोग बुजदील हो गये हैं, सब कायर हो गये हैं और मुकाबला करने की हिम्मत नहीं है। अध्यक्ष जी, इसका पहले हल निकालो। लोक सभा इसका हल निकाले, नहीं तो इसको डिजोल्व कर दो, खत्म कर दो इस पार्लियामेंट को। सरकार को खत्म कर दो। क्या फायदा है इस का।

प्रो० रूप चन्द पाल (हुगली) : कब खत्म करें।

श्री मनीराम बागड़ी : अभी खत्म करो। दोबारा चुनाव हों और फिर नई सरकार बने।

···(**व्यवधान**)···

अध्यक्ष महोदय : अब आप बैठ जाइए। आप की पूरी बात सुन ली है।

श्री भीकू राम जैन (चांदनी चौक) : अध्यक्ष जी, मैं दिल्ली से पार्लियामेंट का मेम्बर हूं और दिल्ली का पंजाब से बहुत बड़ा संबंध है। आज सवेरे बहुत सारे सिख साहवान और हिन्दू साहवान मेरे पास आए थे और जिस वक्त अखबारों में उन्होंने यह खबर पढ़ी, तो दोनों को बड़ी तकलीफ हुई।

सिखों को इस बात का डर है कि दिल्ली के अन्दर उन की इतनी बड़ी दुकानें हैं और कहीं कोई ऐसा अनुचित कार्य न हो जाए, जिस से उनको तकलीफ हो। इसी तरह से यहां पर जो हिन्दू हैं, उनके रिश्तेदार वहां पंजाब में रहते हैं और इस स्टेटमेंट से, जो कि एक बिल्कुल गैर-जिम्मेवाराना स्टेटमेंट दिया गया है, कहीं पंजाब में या अमृतसर में कोई ऐसी घटना न हो जाए, जिससे उनको नुकसान पहुंचे। दिल्ली के अन्दर उनका नुमायन्दा होने की हैसियत से मैं यह कहना चाहता हूं कि दिल्ली के अन्दर लोग परेशान हैं और उन को बहुत तकलीफ और डर इस स्टेटमेंट से हुआ है और इस विषय के अन्दर सरकार खामोश रहे, तो कहीं दिल्ली के अन्दर कल या परसों किसी किस्म का बवंडर न खड़ा हो जाए, ऐसा डर है। मुझे इस के बारे में मालूम नहीं है लेकिन मैं यह प्रार्थना करना चाहता हूं कि न सिर्फ यह सिखों का सवाल है, आज सेक्यूलर देश के अन्दर अगर कोई आदमी इस बात की चुनौती दे कि सिखों को मार दिया जाएगा या हिन्दुओं को मार दिया जायेगा और देश की सरकार खामोश रहे, तो फिर मेरे अंदाज में सेक्यूलरइज्म का नारा बेकार हो जायेगा। मैं दिल्ली की तर्जुमानी करता हूं। मुझे एक या दो आदमियों ने नहीं, बल्कि पचासों, सौओं आदमियों ने कहा है और मुझे अब यह मौका मिला है कि मैं आप से गुजारिश करूं कि अगर इस चीज पर तुरन्त एक्शन नहीं लिया गया तो कल को क्या हो जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता।

किसी एक आदमी की यह जुर्रत हो जाये कि वह सारे सिखों का नुमाइन्दा हो कर यह कह दे। कल को मैं सारे हिन्दुओं का नुमाइन्दा बन जाऊंगा, कोई और सज्जन खड़े हो कर सारे मुसलमानों के नुमाइन्दे हो जाएंगे। किसी समाज का, किसी प्रांत का कोई आदमी नुमाइन्दा बन कर अगर इस तरह की बात कहने लगे तो देश कैसे चलेगा।

इसलिये मेरी आप से प्रार्थना है कि जो यह आज स्टेटमेंट आया है, इससे ज्यादा गलत और गैर जिम्मेदाराना कोई स्टेटमेंट नहीं आ सकता है। एक स्टेटमेंट आए और उसमें यह बात कही जाए कि सारे हिन्दुओं को अमृतसर में या पंजाब में मार दिया जाएगा। कल को महाराष्ट्र के लोग कहेंगे कि दिल्ली वालों को मार दिया जाएगा। यह सारे देश का मामला है, यह पोलिटिकल इशू नहीं है। यह देश के इन्टेग्रेशन से ताल्लुक रखता है। आज दिल्ली के अन्दर बहुत परेशानी पैदा हो गई है। होम मिनिस्टर के पास इसकी रिपोर्ट आ गयी होंगी, नहीं आई हों तो, पता कर लिया जाए। वरना दिल्ली के अन्दर स्थिति खराब हो जाएगी और उसका नतीजा किसी के लिए भी अच्छा नहीं होगा।

श्री अब्दुल रशीद काबुली (श्रीनगर) : मैं आपसे गुजारिश करूंगा कि यह वाकया बड़ा दुःखदायी है। मैं जिस स्टेट से ताल्लुक रखता हूं उस स्टेट का शायद कुछ पोलिटिकल पार्टीज से डिफ्रेंसिज हों लेकिन सेक्युलरिज्म में हमारा पक्का एत्माद है, यकीन है। बारहा वक्तन-फवक्तन हमने इसका सबूत दिया है। लेकिन भिंडरांवाला का जो स्टेटमेंट आया है और अखबारों के जरिए से हम तक पहुंचा है उससे हमको बहुत दुःख पहुंचा है। हमें इस बात से कुछ लेना देना नहीं है कि वे किस पार्टी से

ताल्लुक रखते हैं लेकिन मैं इस स्टेटमेंट की रोशनी में होम मिनिस्टर से गुजारिश करूंगा कि पंजाब की स्थिति बहुत खराब हो रही है और इस मामले में हम यहां सब एक हैं। सारी अपोजिशन पार्टीज और कांग्रेस पार्टी का भी यही विचार है कि पंजाब का जो मसला है इसको जल्दी से जल्दी हल करें। इसके बारे में कोई सेटिलमेंट जल्दी से जल्दी आना चाहिए और ऐसा सेटिलमेंट आना चाहिए जो सारे मुल्क के मफाद में हो।

मैं आपको बताना चाहता हूं कि जिस तरह का भिंडरांवाला का स्टेटमेंट आया है, उसी तरह का स्टेटमेंट किसी सन्त का आया था कि राजस्थान से तमाम सिखों को निकाल देंगे। यह भी प्रोकेटिव स्टेटमेंट है। किसी स्वामी जी ने हरियाणा से धमकी दी है कि तमाम सिखों को निकाल देंगे। यह कम्युनल वायलेंस जहां कहीं भी हो, चाहें जम्मू में हो, इसे सख्ती के साथ कुचलना होगा। किसी भी मत के नाम पर इसे सिर नहीं उठाने देना चाहिए। इससे हमारा सेक्युरिज्म खतरे में पड़ जायेगा।

شری عبدالرشید کابلی (سری نگر) : میں آپ سے گذارش کرونگا کہ یہ واقعہ بڑا دُکھ دائی ہے۔ میں جس اسٹیج سے تعلق رکھتا ہوں اس اسٹیٹ کی شاید کچھ پالیٹکل پارٹیز سے ڈیفرینسز ہوں لیکن سیکولزم میں ہمارا اپکا اعتماد ہے یقین ہے۔ بارہا وقتاً فوقتاً ہم نے اس کا ثبوت دیا ہے۔ لیکن بھنڈرانوالا کا جو اسٹیٹمینٹ آیا ہے اور اخباروں کے ذریعے سے ہم تک پہنچا ہے اس سے ہمیں بہت دکھ پہنچا ہے۔ ہمیں اس بات سے کچھ لینا دینا نہیں ہے کہ وہ کس پارٹی سے تعلق رکھتے ہیں لیکن میں اس اسٹیٹمنٹ کی روشنی میں ہوم منسٹر سے گذارش کروں گا کہ پنجاب کی استھتی بہت بہت خراب ہو رہی ہے اور اس معاملے میں ہم یہاں سب ایک ہیں۔ ساری اپوزیشن پارٹیز اور کانگریس پارٹی کا بھی یہی وچار ہے کہ پنجاب کا جو مسئلہ ہے اس کو جلدی سے جلدی حل کریں اس کے بارے میں کوئی سیٹلمینٹ جلدی سے جلدی آنا چاہیئے۔ اور ایسا سیٹلمینٹ آنا چاہیئے کہ جو سارے ملک کے مفاد میں ہو۔

میں آپ کو بتانا چاہتا ہوں کہ جس طرح کا بھنڈرانوالا کا اسٹیٹمینٹ آیا ہے اسی طرح کا ایک اسٹیٹمینٹ کسی سنت کا آیا تھا کہ راجستھان سے تمام سکھوں کو نکال دیں گے۔ یہ بھی پروکیٹو اسٹیٹمینٹ ہے۔ کسی سوامی جی نے ہریانہ سے دھمکی دی ہے کہ تمام سکھوں کو نکال دیں گے۔ یہ کمیونل وائلینس جہاں کہیں بھی ہو چاہے جموں میں ہو اس کو سختی کے ساتھ کچلنا ہوگا۔ کسی بھی مت کے نام پر اسے سر نہیں اٹھانے دینا چاہیئے۔ اس سے ہمارا سیکولرزم خطرے میں پڑ جائے گا۔

श्री सूरजभान (अम्बाला) : अध्यक्ष महोदय, आज से 6 महीने पहले भिंडरावाला ने यह बयान दिया था कि मैं पांच हजार हिंदुओं का कत्ल कर दूंगा। उसके फौरन बाद सफर करते हुए कुछ हिन्दुओं का कत्ल किया गया। अब उसने यह कहा है कि पंजाब से तमाम हिन्दूओं को मैं बाहर नहीं जाने दूंगा। अब उसने पांच हजार हिन्दुओं की बात नहीं कही है, सब के बारे में कहा है कि यहीं खत्म कर दूंगा। इससे ज्यादा खतरनाक और एन्टी नेशनल स्टेटमेंट कोई हो सकता है, यह मैं पूछना चाहता हूं। क्या होम मिनिस्टर साहब यह बतायेंगे कि इस स्टेटमेंट के लिए भिंडरा-वाला के खिलाफ नेशनल सिक्योरिटी एक्ट में कोई एक्शन नहीं लिया जा सकता है ? मैं यह मांग करता हूं कि उसको नेशनल सिक्योरिटी एक्ट में गिरफ्तार कर के, जेल में मुकद्दमा चलाया जाए।

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER (Durgapur) : Grave situation has arisen. Noth the sides are unanimous on this issue.

The statement from the Home Minister will not be sufficient. I would request you to say something and pass a Resolution so that national unity and integrity can be maintained.

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : अध्यक्ष जी, आपके जरिए मैं गृह मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि भिंडरावाले के वक्तव्य की निन्दा करते हुए यह सदन सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पास करे।

(व्यवधान)

श्री मनीराम बागड़ी : नहीं। जब तक होम मिनिस्टर साहब इसके लिए खूंटा नहीं गाड़ेंगे तब तक इसका हल नहीं निकलेगा इस का हल कब तक निकलेगा, जब तक हल नहीं निकलेगा तब तक बात नहीं चलने वाली है।

श्री चन्द्रजीत यादव (आजमगढ़) : अध्यक्ष महोदय, श्री मनीराम बागड़ी जी ने जिस भावना के साथ बात कही है, सभी लोग उसी प्रकार से फील करते हैं।

आज दुर्भाग्य से देश में ऐसी स्थिति हो गई है और होती जा रही है, इसके ऊपर बहुत गंभीरता से सोचना चाहिए। भिंडरावाला जैसे लोगों का हौसला इसलिए बढ़ रहा है कि उनका ख्याल है कि वे कुछ भी कह सकते हैं, कुछ भी कर सकते हैं और इसके बाद खुले रह सकते हैं। इतने इम्यून हो गए हैं। मैं समझता हूं कि यह बहुत गंभीर बात है। रूलिंग पार्टी ने अपनी सरकार को हटाया तो हम उम्मीद करते थे कि राष्ट्रपति शासन होने के बाद सरकार शांति और व्यवस्था की हालत को दुरुस्त करने में प्रभावी कदम उठाएगी। लेकिन स्थिति पहले से ज्यादा बदतर होती जा रही है। इसका प्रभाव सारे देश पर बुरा पड़ रहा है। मैं इस संबंध में यह भी कहना चाहता हूं कि पूरे देश में कम्युनल सिचुएशन बिगड़ती जा रही है। कम्युनल हारमनी क्रिएट हो रही है। आपने जगह-जगह देखा, दशहरा-दीवाली, मोहर्रम के मौके पर उत्तर प्रदेश में दर्जनों जगहों पर नियोजित ढंग से दंगे कराने की कोशिश की गई। कितने ही लोगों की जानें गईं। इस तरह से स्थिति सारे देश में बिगड़ रही है।

मैं नहीं समझता कि अब हम इसमें क्या कर सकते हैं। प्रधान मंत्री ने कहा कि अपोजीशन को बातचीत में बुलाने से हालत और बिगड़ गई है। अब हम उससे बाहर हैं। हमारी गृह-मंत्री महोदय से इतनी सी प्रार्थना है कि इस भावना को ध्यान में रखते हुए कि सारे देश के लोगों में पेनिक न हो जाए, इसके लिए प्रभावकारी कदम उठाएं। कम से कम यह तो सजेस्ट कर सकते हैं कि नेशनल इंटीग्रेशन कमेटी की बैठक तो बुलाएं। उसको रीआर्गनाइज करिए, बैठक बुलाइए। सारे देश की स्थिति पर उसमें विचार होना चाहिए।

श्री जगपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, भिण्डरांवाला के इस बयान से मालूम पड़ता है कि देश की एकता और अखण्डता के लिए इससे ज्यादा खतरनाक कोई और बयान नहीं हो सकता। इस बयान के बाद भी सरकार नेशनल सिक्यूरिटी एक्ट के अन्दर उसको गिरफ्तार नहीं करती तो मैं कहूंगा कि इससे देश की जनता को शक पैदा होगा कि सरकार इतना भयानक बयान आने के बाद उसको नेशनल सिक्यूरिटी एक्ट, के तहत क्यों अरेस्ट नहीं कर पाती। यह सरकार जो आंदोलन करने वाले छात्रों को, किसानों को जो अपनी मांग के लिए आन्दोलन करते हैं, उनको नेशनल सिक्यूरिटी एक्ट में बन्द कर सकती है लेकिन देश की एकता और अखण्डता को तोड़ने वाले भिण्डरावाला को गिरफ्तार नहीं कर सकती।

मैं मांग करता हूं कि इसको तुरन्त नेशनल सिक्यूरिटी एक्ट में बन्द करके जेल में डालना चाहिए।

PROF. MADHU DANDAVATE (Rajapur) : Mr. Speaker, Sir, I believe that in Gandhiji's India, there is one concept on which the entire country has consensus. It is our irrevocable commitment to unity, communal harmony and secularism. Any one who challenges that, I think, must be resisted to the end. I would draw the attention of the House that when there was

communal strife in Noakhal in Gandhiji's life-time, he did not insist on any resolution being passed in thelegislature but he insisted that some actionshould be taken to see that communal harmony was restored. And, therefore, when Bhindranwale indulges in this sort of pronouncements it is accident that today it happens to be Bhindranwale and tomorrow it might be persons from any other community or religion—action must be taken. We are not concerned which community he belongs to.

Sir, I want to go on record that many sober elements in the Sikh community will also condemn the actions of Bhindranwale including the Members in this House and, therefore, Bhindranwale will not be equated with the Sikh community as a whole. He is also tarnishing the image of the Sikh value and Sikh community in the country. He is tarnishing the entire image of secularism and, therefore, sometimes I am always feeling surprised that while in various sectors like trade-union or other fields action has been taken against others why Bhindranwale has actually not been punished. Therefore, as Shri Bagri pointed out firm action should be taken against men like Bhindranwale who are destroying the forces of secularism in the country.

श्री जी० एस० निहालसिंह वाला (संगरूर) : स्पीकर साहब, हम जो नेशनल सिख हैं, हमारी पोजीशन बिल्कुल खराब है और मुख्तलिफ है वनिस्पत उन सिखों के जो उनके साथ हैं। काफी अरसा हुआ इस बात पर कई दफा बहस हो चुकी है। मैंने अपने ख्यालात कई बार यहां कहे और जो भिण्डरावाले का रोल है, उसको ओपनली मैंने यहां डिसकस किया। आज जो भिण्डरावले का स्टेटमेंट आया है, इसमें कोई शक नहीं कि सिखों के लिए बहुत खतरनाक है, हमारे लिए खुदकुशी के बराबर है। हमारी पोजीशन ऐसी बन चुकी है, न तो उसके खिलाफ कह सकते हैं और जो कहता है, उसकी जान खतरे में होती है। मैं आपसे दरख्वास्त करता हूं कि अगर उनकी तरफ से कोई नामुनासिब बातें आई हैं जो नहीं मानी जा सकती तो सरकार उनको ना कह सकती है। यदि मुनासिब समझती है, उनको मंजूर कर सकती है। इतनी खुली छुट्टी मैं समझता हूं, किसी को नहीं दी जा सकती। जहां कायदे कानून से सरकार चलती हो और किसी कम्युनिटी के खिलाफ मुल्क की सरकार से खिलाफ या दूसरे फिरके लोगों के खिलाफ जो मर्जी कहा जाए, मैं खुद महसूस करता हूं, यह ठीक नही है। परसों जब मैंने गुरुद्वारे की बात सुनी तो मुझे चण्डीगढ़ से बाइ कार यहां आना था। मेरे दिमाग में भी कमजोरी आई कि मुझे हरियाणा में से गुजरना है। अगर किसी के दिमाग में आ गई तो मुझे कार की बजाय रेल पर आना पड़ेगा। हो सकता है, कोई दिन ऐसा जाए कि यहां से वहां न जा सकें। और वहां से पार्लियामेंट में न आ सकें। यह कोई बड़ी बात नहीं है। मैं दरख्वास्त करूंगा कि इसको लम्बा करने का कोई फायदा नहीं सरकार कोई न कोई फैसला जरूर करे। मैं समझता हूं, हरचंद सिंह लोंगोवाल बनौर प्रेजीडेंट अकाली दल कोई बयान देता है उसको कुछ समझा जा सकता है। गुरुचरण सिंह टोहरा बतौर एस० जी० पी० सी० कोई बयान देता है, उसको मैं चाहूंगा, कुछ जा सकता है। लेकिन, जो आदमी छिपा हुआ बैठा है, उसके खिलाफ इतने मुकदमे हैं, वह कौम और मुल्क के खिलाफ ब्यान देता है, फिर भी सरकार सोई हुई है। मैं दरख्वास्त करूंगा कि इस मसले को जल्दी हल किया जाए।

श्री बूटा सिंह : अध्यक्ष जी, आज इस माननीय सदन ने एक बहुत ही गंभीर मसला उठाकर हमारे सामने एक स्थिति का पूरा नक्शा रखा है। भिंडरावाले का जो स्टेटमेंट आज अखबार में छपा है, इसकी जितनी निंदा की जाए, थोड़ी है। यह स्टेटमेंट न तो कोई सिख प्रतिनिधि का हो सकता है, न देश-भक्त का हो सकता है और यह समझना कि किसी धार्मिक आदमी का हो सकता है, कभी मान भी नहीं सकते। जिस धर्म को भिंडरावाले कहते हैं कि मैं उस धर्म का प्रचार करता हूं, उस धर्म में ऐसी भावना को मन में लाना और सोचना एक बहुत बड़ा पाप है। यह वह धर्म है जिसकी

वाणी, साहब श्री गुरु नानक देव जी हैं। उनका क्षेत्र केवल पंजाब और हिन्दुस्तान ही नहीं, पूरा विश्व उनका क्षेत्र है वह जगत गुरु हैं। उनका उपदेश है "एक पिता एकस के हम बालक, तू सेर गुरू हाई।" उन्होंने कहीं भी अपने धर्म मिशन और प्रचार को सीमित नहीं माना है। भिंडरावाले ने जो धमकी दी है कि पंजाब में से हम सभी हिन्दुओं को निकाल देंगे, खत्म कर देंगे, इससे बड़ा सिख धर्म के विरुद्ध कोई स्टेटमेंट नहीं हो सकता जितना बड़ा उन्होंने दिया है। इसके पीछे दो-तीन चीजें हैं जो मैं सदन के ध्यान में लाना चाहूंगा। यह जो अखबार में छपा है कि चूरू में गुरुद्वारा जला दिया गया मैं चाहूंगा कि उस एजेंसी की खबर ली जाए जिसने बगैर जानकारी और पड़ताल किए हुए, यह खबर छापी है। इतना बड़ा क्वन्डर देकर पूरे देश भर में बेचैनी पैदा कर दी कि गुरुद्वारा जला दिया गया, ऐसी एजेंसी को हक नहीं है कि हमारे लोगों की जिन्दगी के साथ खिलवाड़ करे। मैंने चूरू के डी एम से, वहां राजस्थान के मंत्री महोदय से, वहां के एम० एल० ए० से सम्पर्क किया तो पता चला कि अभी तक वह बिल्डिंग बहुत थोड़ी बनी है, अभी उसकी नीव उठाई गई है और कोई बिल्डिंग भी नहीं है। छोटा सा गुरुद्वारा वहां बनाने का प्रयास किया जा रहा है। दस बारह घर ही वहां हैं। जिस को आग लगाई गई है वह सड़क के ऊपर थोड़ी सी जो दीवार बनाई गई थी जिस पर बोरे लगाए गए थे सिमेंट को पक्का करने के लिए उस को आग लगा दी। एजेंसी ने इतनी बड़ी खबर दे दी। कोई कांग्रेस में हो, कम्युनिस्ट पार्टी में हो, अकाली में हो, सभी सिखों के मन के ऊपर ठेस पहुंची जब पढ़ा कि गुरुद्वारे को जला दिया गया। मेरा नम्र निवेदन है कि कोई तरीका आप निकालें या सारी प्रेस के साथ यह बात की जाए कि ऐसी खबर जिस का सारे देश के लोगों की जिन्दगियों के साथ, उनकी अपने और शांति के साथ सम्बन्ध हो, जब तक उसकी पूरी तरह से जांच पड़ताल न कर ली जाए तब तक ऐसी खबर कभी न छापी जाए और फिर भी अगर कोई ऐसी खबर छापती है तो उसको गिरफ्तार कर लेना चाहिये।

भिंडरांवाले की पोजिशन क्या है? वह किसी पौलिटिकल पार्टी में नहीं है। अकाली दल उसको डिसओन नहीं करता है। अकाली दल का राजनीतिक आन्दोलन चल रहा है जिस को बल दे रहे हैं भिंडरावाला जिस की वजह से सारे पंजाब का ही नहीं पूरे देश का वातावरण दूषित हो गया है न अकाली दल के नेताओं में इतनी हिम्मत है कि भिंडरावाले के खिलाफ स्टेटमेंट दें और उनको वह डिसओन भी नहीं करते हैं·····

एक माननीय सदस्य : एक्शन क्यों नहीं लेते हैं ?

श्री बूटा सिंह : पंजाब में एक राजनीतिक आन्दोलन चल रहा है।

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : कांग्रेस की पैदाइश हैं।

श्री बूटा सिंह : जिस की पैदाइश है वे सम्भाले बैठे हैं।

पंजाब में राजनीतिक आन्दोलन चल रहा है जो अकाली दल की मागें हैं उनके बारे में भिंडरावाले आज तक नहीं बोला है और सारा बल अकाली भिंडरावाले से ले रहे हैं। भिंडरांवाले को जितना प्रोटेक्शन है वह अकाली पार्टी ने दिया हुआ है। वह उनके आफिस में हैं। नानक निवास किसका है? कांग्रेस आई का दफ्तर है? आपको सोचना चाहिये इससे पहले कि आप कुछ कहें। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी का, अकाली दल का दफ्तर है। अगर वह अकालियों के मित्र हैं तो अकालियों को कहना चाहिये कि ऐसे लोगों·····

SHRI RAM VILAS PASWAN : What is the Minister of Home Affairs doing ?

SHRI CHANDRAJIT YADAV : What a statement by the Government ? We cannot have it like that. What is the Government doing ?

(*Interruptions*)

SHRI JAGDISH TYTLER (Delhi Sadar) : Shri Buta Singh is condemning it for the last so many years.

SHRI RAM VILAS PASWAN : How can you say that Mr. Buta Singh is condemning it ?

(*Interruptions*)

जब वह दिल्ली में थे तो उनको गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया ?

श्री बूटा सिंह : मैं माननीय सदस्य से पूछना चाहता हूं कि जब वह दिल्ली में आए थे तो किस बात के लिए एरेस्ट करते ? जब से वह नानक निवास में जा कर बैठे हैं तब से उन्होंने अकाली दल की मदद करके सारे पंजाब के वातावरण को इतना अशान्त कर दिया है कि आज पंजाब में न सिख सुरक्षित हैं, न हिन्दु हैं, न हरिजन हैं ।

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY : I would like to ask you one question. Let us be very clear. When Mr. Bhindranwale came to Delhi with unlicensed guns—I was looking at him and his associates in the bus—did you arrest him ? Try to search your own heart. Did you arrest him ? No. Who was helping in his image building in Punjab ? He has the cement ground created by the Congress I ? Don't forget it. Akalis.....

(*Interruptions*)

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY : Those who are sitting in glass houses, should not throw stones.

SHRI RAJESH PILOT : Akali Dal was there. They were sharing views with other parties in Vijayawada.

श्री राम विलास पासवान : तीन बार गिरफ्तार करके क्यों छोड़ा गया ?

श्री बूटा सिंह : किसने छोड़ा ? सरकार ने ? कचहरी ने छोड़ा ।

SHRI CHANDRAJIT YADAV : Are you helpless now ? Can you not do anything ?

श्री जगपाल सिंह : अध्यक्ष जी, अब क्या करना चाहते हैं यह बतायें ।..... (**व्यवधान**)

श्री बूटा सिंह : अध्यक्ष जी, मैं तो यह निवेदन करने जा रहा था कि आप जो भी आदेश देंगे, मुझे यकीन है आप कुछ कहने वाले थे अभी गृह मंत्री जी से, आप जो भी आदेश देंगे उसका हम पालन करेंगे । और मैं उधर के माननीय सदस्यों को कहना चाहता हूं कि यह चिन्ता का विषय है, इसमें कोई सन्देह नहीं है । परन्तु पंजाब में और पंजाब से बाहर जो सिख रहते हैं जो भारतीय हैं और देशभक्त हैं उनके ऊपर भिंडरावाले के स्टेटमेंट का कोई असर नहीं है । वह जानते हैं कि यह शरारत अंग्रेज स्टेटमेंट है, देशद्रोही स्टेटमेंट है और हिन्दू, मुसलमान और सिख सब में फर्क डालने वाला यह स्टेटमेंट है, इसलिये इस स्टेटमेंट का कोई असर नहीं पड़ेगा । मैं मानता हूं कि जिस तरह से पंजाब और पंजाब से बाहर के सिख इस चीज को अच्छी तरह से जानते हैं वैसे ही हमारे समाज के अन्य दूसरे वर्ग भी इस सारे षड्यंत्र को इसी रूप में देखेंगे और उनमें जो आपस में एक दूसरे के प्रति पड़ौसी का बहुत प्यार का रिश्ता है, चाहे सिख हो, हिन्दू हो ईसाई हो, मुसलमान हो या हरिजन हो, वह सब इसी तरह से मिल कर रहेंगे और इस स्टेटमेंट का कोई असर अपने ऊपर नहीं होने देंगे ।

SHRI SUNIL MAITRA (Calcutta North East) : This is a deliberate attempt at under-estimation of the evilness of the phenomenon called 'Bhindranwale'. Therefore, let him not say that. (*Interruptions*)

श्री मनीराम बागड़ी : अध्यक्ष जी, मेरी एक दर्खास्त थी ताकि आप आराम से बोलते उसको सुन लेने के बाद इतना बोलने के बाद अब तो सरकार को कुछ कहना चाहिये ।

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिये, आपकी बात सारी मैंने सुन ली।

श्री रामलाल राही : यह कहते हैं कि कहीं सिखों में असंतोष नहीं है। फिर राजस्थान में कैसे उनमें असंतोष है ?

अध्यक्ष महोदय : माननीय राही जी, आप बैठिये। कभी कभी तो संयम रखा करो।

माननीय सदस्यगण, आपकी भावनाओं के लिये ही मैंने सब की बातें सुनीं, क्योंकि विषय ही ऐसा था, समस्या ही ऐसी है जिसमें क्या, कोई भी आदमी इसकी अनदेखी नहीं कर सकता। अगर देश नहीं है तो आप नहीं हो, न आपकी संसद है और न यहां बोलने की बात है। जो प्रजातंत्र की प्रणाली आपने दी है जिसमें आप बात करते हैं, जिसमें आप लिख सकते हैं, अपनी अभिव्यक्ति कर सकते हैं और जहां मर्जी चाहे जा सकते हैं, बम चलते हैं, जो इच्छा हो वह काम कर सकते हैं, यह सब इसी की देन है, प्रजातन्त्र की ही देन है। और अगर इसी पर कुठाराघात हो गया तो सच बात है न रहेगा बांस और न बजेगी बांसुरी। इसलिये आपका चिंतित होना, अभिव्यक्ति करना आपका जरूरी है, आपका चिन्तित होना जरूरी है। आज भी अगर आप चिन्तित नहीं होते तो आप यहां बैठने के हकदार नहीं हैं, मैं भी नहीं बैठ सकता हूं। आपको सोचना पड़ेगा।

मैं बताना चाहता हूं, सिर्फ आपके द्वारा मैं कह सकता हूं आपकी भावनाओं का जो प्रकटाव है उसको भी मैं सरकार तक पहुंचा सकता हूं। आपने स्वयं उसको पहुंचा दिया है, गृह मंत्री जी यहां बैठे हैं, वह सोचें इस बात को और कुछ करें। मैं तो दो मिनट में कह सकता हूं कि जितना डर से डरोगे, डर उतना बढ़ता जायेगा। हमेशा डर डर के जाने से निकलता है। और जिन्दगी में मौत एक दफा आती है, बारबार नहीं आती है और देने वाला भी भगवान होता है। और मारने वाला कोई नहीं है। किसके हाथ में लिखा है कि एक करोड़ को कोई मार देगा ? यह एक भुलावा है अगर किसी के दिमाग में हो तो न वह मार सकता है, और न कोई और मार सकता है। पैदा नहीं हुए मारने वाले। मारने वाला तो एक ऊपर वाला है, वही मारता है।

यह भारतवर्ष आपका, मेरा और सबका है। हमारा उत्तरदायित्व है इसके प्रति। अगर हम आज महसूस नहीं कर सकते तो जन्मभूमि को खतरा है। फिर हम क्या करेंगे ? इसलिये आपके हाथ मजबूत, यह सारा सदन आपके साथ है और आप बोलिये कि क्या करना चाहते हैं, या करना चाहेंगे यह बतायें। आज बतायेंगे या कल बतायेंगे जब आप चाहो बताओ, लेकिन काम करके बताओ यह सदन की अभिव्यक्ति है।

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI P.C. SETHI) : Sir, I have heard your direction as well as the views of the hon. House and the hon. Members. I have read the unfortunate statement which has been made by Shri Bhindranwale. I would collect all the facts and I request you to allow me to make a statement on Monday on this subject.

12.42 Hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

Notifications under Finance Act, Estate Duty Act, Customs Act, and Finance Commission (Miscellaneous Provisions) Act

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI PATTABHI RAMA RAO) : I beg to lay on the table :—

(1) A copy of the Foreign Travel Tax (Second Amendment) Rules, 1983 (Hindi and English versions) published in Notification No. G.S.R. 874 in Gazette of India dated the 26th November, 1983 together with an